

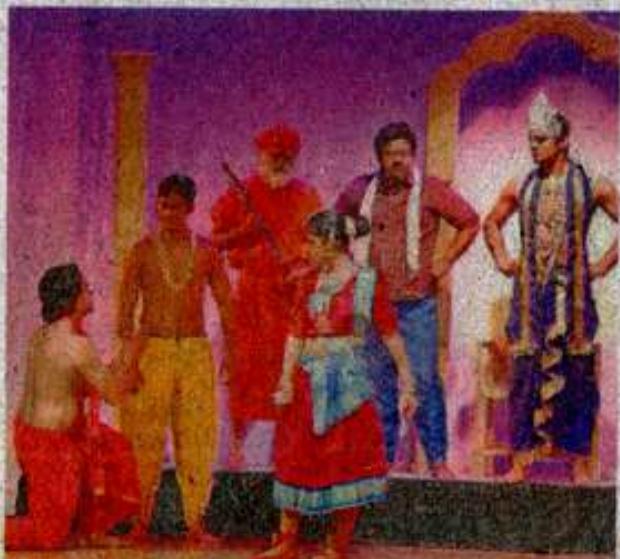


# दैनिक जागरण

PAGE NO : 6 BOTTOM

## बेला थिएटर ने किया गधे की बरात नाटक का मंचन

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिहिमा में रविवार को नई दिल्ली के बेला थिएटर कारवां ने गधे की बरात नाटक का मंचन किया। हरिभाई वडगाओंकर लिखित व अमर शा निर्देशित यह नाटक एक व्यंग्य है, जो अमीर और गरीब के बीच की खाई को प्रदर्शित करता है। नाटक में कलाकारों ने दिखाया कि समय किस तरह से बदलता है लेकिन अमीर और गरीब के बीच की खाई कम नहीं होती। शुरूआत इंद्र के दरबार से होती है। जहां अप्सरा नृत्य कर रही थी जिसका हाथ नशे में चित्रसेन पकड़ लेता है। इंद्र चित्रसेन को मृत्यु लोक में गधे के रूप में जाने का श्राप देते हैं, जिसके बाद चित्रसेन धरती पर गधे के रूप में कल्लू के घर पहुंचता है। यहां राजा सत्यधर्म वर्मा घोषणा करता है कि अगर कोई एक रात में राज महल से कुम्हार बाड़ा तक पुल बना देगा तो वह उससे अपनी बेटी राजकुमारी सत्यवती की शादी कर देगा। गधे बना चित्रसेन कल्लू से चुनौती को स्वीकार करने को कहता है। वह रात भर में पुल का



एसआरएमएस में नई दिल्ली के बेला थिएटर कारवां ने नाटक गधे की बरात का किया मंचन● सौ. स्वयं निर्माण कर देता है। उसका विवाह राजा की पुत्री से हो जाता है। शादी के बाद वह राजमहल चला जाता है और कल्लू गरीब का गरीब ही रह जाता है। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गिरिधर गोपाल खड़ेलवाल, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. रीटा शर्मा आदि रहे।